जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

06 नवम्बर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने क्लाउड कंप्यूटिंग में संसाधन प्रावधान पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जो एक प्रतिष्ठित NAAC A++ मान्यता वाला केंद्रीय विश्वविद्यालय है, के कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 5 नवंबर, 2024 को "क्लाउड कंप्यूटिंग में संसाधन प्रावधान" पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान क्लाउड वातावरण में संसाधन प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित था, जिसमें क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों चुनौतियों को संबोधित किया गया।

यह व्याख्यान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज के डीन प्रो जाहिद रजा द्वारा दिया गया । क्लाउड कंप्यूटिंग और सिस्टम विज्ञान के एक प्रमुख विशेषज्ञ प्रो रजा ने स्केलेबल और कुशल क्लाउड संचालन के लिए महत्वपूर्ण उन्नत संसाधन प्रबंधन तकनीकों पर अंतर्दृष्टि साझा की। प्रो रजा के व्याख्यान के प्रमुख में क्लाउड कंप्यूटिंग में नीलामी तंत्र की खोज की गई, जो संसाधन आवंटन और लागत-दक्षता के प्रबंधन के लिए अध्ययन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। अपने समापन अंश में प्रो रजा ने क्लाउड कंप्यूटिंग में कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों के बारे में बात की, जिसमें डेटा सुरक्षा, विनियामक अनुपालन और बड़े डेटा केंद्रों में ऊर्जा की खपत शामिल है।

सत्र का उद्घाटन विज्ञान संकाय के डीन प्रो सईदउद्दीन ने किया। प्रो सईद उद्दीन ने एक संक्षिप्त अवलोकन प्रदान किया, जिसमें अकादमिक शोध में क्लाउड कंप्यूटिंग के महत्व और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कंप्यूटर विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो मोनिका मेहरोत्रा ने विषय का परिचय दिया और व्याख्यान के लिए मंच तैयार किया। उन्होंने आधुनिक शोध में क्लाउड कंप्यूटिंग के परिवर्तनकारी प्रभाव पर बल डाला, यह देखते हुए कि कैसे इसकी मापनीयता और लचीलापन विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति को सक्षम कर रहा है। अपने परिचय में प्रो मेहरोत्रा ने उपस्थित लोगों को अकादमिक शोध, सहयोग और नवाचार के लिए क्लाउड-आधारित समाधानों की क्षमता पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग में विषय संघ सलाहकार प्रो मनसफ आलम ने भी कार्यक्रम का समर्थन और मार्गदर्शन करने में भाग लिया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख संकाय सदस्यों में प्रो. सैयद अफ़ज़ल मुर्तज़ा रिज़वी, प्रो. एस. एम. के. क़ादरी, प्रो. सुरैया जबीन, प्रो. ज़ीशान हुसैन, प्रो. जहीरुद्दीन, डॉ. तरन एस. भारती, डॉ. खालिद रज़ा और डॉ. इसरार अहमद (प्रोग्रामर) शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने क्लाउड कंप्यूटिंग में उन्नत ज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

इस कार्यक्रम में एमसीए, और एमएससी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग, और एमएससी बायोइनफ़ॉरमैटिक्स कार्यक्रमों सहित विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के छात्रों की भागीदारी देखी गई। इन छात्रों ने चर्चा किए गए विषयों पर सक्रिय रूप से भाग लिया, और क्लाउड-आधारित प्लेटफ़ॉर्म के लिए संसाधन प्रावधान में अत्याधुनिक विकास में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

सत्र ने अनुसंधान और नवाचार में क्लाउड कंप्यूटिंग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को भविष्य की परियोजनाओं के लिए क्लाउड तकनीकों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। सहयोगी वातावरण और दर्शकों की सक्रिय भागीदारी ने शैक्षणिक समुदाय में ज्ञान-साझाकरण के अवसरों को बढ़ावा देने के महत्व की पुष्टि की।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया